भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2654

11 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

देशभर में मानसिक स्वास्थ्य देखरेख सेवाओं का विस्तार

2654 श्री विनोद श्रीधर तावड़ेः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बच्चों, किशोरों, महिलाओं और अन्य संवेदनशील समूहों के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखरेख सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु कौन-कौन सी पहल की गई हैं;
(ख) क्या आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम), शैक्षणिक संस्थानों तथा कार्यस्थलों के माध्यम से समुदाय-आधारित मानसिक स्वास्थ्य देखरेख सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) मानसिक स्वास्थ्य देखरेख पेशेवरों की उपलब्धता बढ़ाने और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण हेतु क्या उपाय किए गए हैं; और
(घ) किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य देखरेख सुलभता में सुधार करने के लिए टेली-मानस, टेली-परामर्श सेवाओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): मानसिक विकारों के बढ़ते भार के समाधान के लिए, भारत सरकार देश में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम कार्यान्वित कर रही है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम घटक को 767 जिलों में कार्यान्वयन के लिए स्वीकृत किया गया, जिसके लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से सहायता प्रदान की जाती है। जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर सभी व्यक्तियों, जिसमें बुर्जुग भी शामिल हैं, के लिए अन्य बातों के साथ-साथ बहिरंग रोगी सेवाएं, मूल्यांकन, परामर्श/मनो-सामाजिक कार्यकलाप,

गंभीर मानसिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए निरंतर देखभाल एवं सहायता, औषधियां, आउटरीच सेवाएं, एम्बुलेंस सेवाएं आदि उपलब्ध कराई जाती हैं। उपर्युक्त सेवाओं के अतिरिक्त, जिला स्तर पर 10 बिस्तरों वाली अंतरंग रोगी सुविधा का भी प्रावधान है।
सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए भी कदम उठा रही है। सरकार द्वारा 1.8 लाख से अधिक उप-स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में उन्नयन किया गया है। इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रदान की जाने वाली व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को भी शामिल किया गया है।

"भावनात्मक कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य" को आयुष्मान भारत विद्यालय स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत एक समर्पित मॉड्यूल के रूप में शामिल किया गया है। स्वास्थ्य और कल्याण एम्बेस्डर अर्थात् शिक्षकों को कार्यक्रम के अन्य विषयगत क्षेत्रों के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में भी प्रशिक्षित किया जाता है। ये शिक्षक विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित करते हैं तथा साप्ताहिक सत्रों के माध्यम से संदेशों का प्रसार करते हुए रूचिकर अधिगम को बढ़ावा देते हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) अपनी विभिन्न पहलों, जैसे किशोर मैत्री स्वास्थ्य क्लीनिक(एएफएचसी), पीअर एजुकेशन प्रोग्राम तथा किशोर स्वास्थ्य एवं कल्याण दिवसों (एएच&डब्ल्यूडी) के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करता है तथा परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। पीअर एजुकेटर समुदाय में 15-20 लड़के एवं लड़कियों के समूह गठित करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण सहित किशोर स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर साप्ताहिक एक से दो घंटे के सहभागी सत्र आयोजित करते हैं।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के विशिष्ट परिचर्या घटक के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञताओं में स्नातकोत्तर विभागों में विद्यार्थियों के प्रवेश की संख्या बढ़ाने तथा विशिष्ट परिचर्या स्तर की उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 25 उत्कृष्टता केंद्र स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञताओं के 47 स्नातकोत्तर विभागों को सुदृढ़ करने के लिए 19 सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों/संस्थानों को भी सहायता प्रदान की गई है।

देश में 47 सरकारी मानसिक चिकित्सालय हैं, जिनमें 3 केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान अर्थात् राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु; लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, तेजपुर, असम; तथा केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, रांची शामिल हैं। सभी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों में भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का प्रावधान किया गया है।

सरकार देश के अल्पसेवित क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए मानव संसाधन की उपलब्धता बढ़ाने हेतु वर्ष 2018 से स्थापित डिजिटल अकादमियों के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों के सामान्य स्वास्थ्य

परिचर्या चिकित्सा एवं सहायक चिकित्सा कर्मियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उपलब्ध करा रही है। डिजिटल अकादमियों के अंतर्गत अब तक कुल 48,629 पेशेवरों को प्रशिक्षित किया गया है।

देश में मनोचिकित्सकों की संख्या बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा बोर्ड द्वारा दिनांक 15.01.2024 को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए न्यूनतम मानक अपेक्षाएं-2023 जारी की गई थीं। एमडी (मनोचिकित्सा) में पाठ्यक्रम प्रारंभ करने अथवा सीटों में वृद्धि करने के लिए अधिकतम 2 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के वार्षिक प्रवेश हेतु प्रतिदिन बहिरंग रोगी विभाग में आने वाले रोगियों की न्यूनतम संख्या घटाकर 30 कर दी गई है तथा प्रत्येक अतिरिक्त सीट के लिए इसमें 20 प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार, किसी चिकित्सा महाविद्यालय में 2, 3 और 5 सीटों के साथ एमडी (मनोचिकित्सा) में पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए प्रति इकाई न्यूनतम अनिवार्य बिस्तरों की संख्या क्रमशः 8, 12 और 20 है।

भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्तमान में 66 संस्थान/विश्वविद्यालय एम. फिल नैदानिक मनोविज्ञान पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। परिषद द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 से बीएससी नैदानिक मनोविज्ञान (आनर्स) पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है तथा इस पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिए 19 विश्वविद्यालयों को अनुमोदन प्रदान किया गया है, जिससे नैदानिक मनोविज्ञान के क्षेत्र में अधिक पेशेवरों को तैनात किया जा सके।

भारत सरकार ने देश में गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य परामर्श एवं परिचर्या सेवाओं तक पहुंच को और बेहतर बनाने के लिए 10 अक्टूबर, 2022 को "राष्ट्रीय टेली-मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम" शुरू किया था। दिनांक 27.07.2026 तक 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 53 टेली-मानस प्रकोष्ठ स्थापित किए गए हैं। टेली-मानस सेवाएं राज्यों द्वारा चुनी गई भाषाओं के आधार पर 20 भाषाओं में उपलब्ध हैं। कार्यक्रम की शुरुआत से हेल्पलाइन नंबर पर 42 लाख से अधिक कॉल का उत्तर दिया गया है।

सरकार ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, 10 अक्टूबर, 2024 के अवसर पर टेली-मानस मोबाइल एप्लीकेशन भी शुरू किया था। टेली-मानस मोबाइल एप्लीकेशन एक व्यापक मोबाइल प्लेटफॉर्म है, जिसे मानसिक कल्याण से लेकर मानसिक विकारों तक की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए सहायता प्रदान करने हेतु विकसित किया गया है।

टेली-मानस मोबाइल एप्लीकेशन दृष्टिबाधित व्यक्तियों को भी सहायता प्रदान करता है। इसके अंतर्गत विशेष रूप से तैयार किए गए उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल इंटरफेंस तथा ऐसी निःशुल्क दूरभाष सेवा के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाया गया है, जिसके लिए स्क्रीन के उपयोग की आवश्यकता नहीं होती। सरकार ने पहले से उपलब्ध श्रव्य दूरभाष सुविधा के अतिरिक्त, टेली-मानस के अंतर्गत वीडियो परामर्श सुविधा भी शुरू की है।

*****